ये अव्यक्त इशारे

ईच्छा मात्रम् अविद्या की स्थिति का अनुभव करो और कराओ

18-09-2024

आपने कोई सेवा अभी-अभी की और अभी-अभी उसका फल ले लिया तो जमा कुछ नहीं हुआ, कमाया और खाया। उसमें फिर विल पावर नहीं रहती। वह अन्दर से कमजोर रहते हैं, शक्तिशाली नहीं खाली-खाली रह जाते हैं। जब यह बात खत्म हो जायेगी तब निराकारी, निरहंकारी और निर्विकारी स्थिति स्वतः बन जायेगी।

Experience the stage of being ignorant of the knowledge of desires and give others this experience.

If you do service now and accept the fruit of that right now, you do not accumulate anything. It is like earning and using it up immediately. There is no will-power in that. Such souls are internally weak, they are not powerful, but remain empty. When this finishes, you will automatically become incorporeal, egoless and viceless.